1st PUC हिन्दी साहित्य वैभाव

Chapter 1 - बड़े घर की बेटी

I. एक शब्द या वाक्यांश या वाक्य में उत्तर लिखिए:

प्रश्न 1). ठाकुर साहब के कितने बेटे थे?
उत्तरः ठाकुर साहब के दो बेटे थे।

प्रश्न 2). बेनीमाधव सिंह अपनी आधी से अधिक संपत्ति किसे भेंट के रूप में दे चुके थे?
उत्तरः बेनीमाधव सिंह अपनी आधी से अधिक संपत्ति वकीलों को भेंट कर चुके थे।

प्रश्न 3). ठाकुर साहब के बड़े बेटे का नाम क्या था?
उत्तरःठाकुर साहब के बड़े बेटे का नाम श्रीकांत सिंह था।

प्रश्न 4).श्रीकंठ कब घर आया करते थे?
उत्तरःश्रीकंठ सिंह शनिवार को घर आया करते थे।

प्रश्न 5).आनंदी के पिता का नाम लिखिए।
उत्तरःआनंदी के पिता का नाम भूप सिंह था।

प्रश्न 6).थाली उठाकर किसने पलट दी?
उत्तर:लाल बिहारी सिंह ने थाली उठाकर पलट दी।

प्रश्न 7).गौरीपुर गाँव के जमीनदार कौन थे?
उत्तर:बेनीमाधव सिंह गौरीपुर गाँव के जमीनदार थे।

प्रश्न 8).किसकी आँखें लाल हो गयी थी?
उत्तर:श्रीकंठ की आँखे लाल हो गयी थीं।

प्रश्न 9).बिगड़ा हुआ काम कौन बना लेती हैं?
उत्तरःबड़े घर की बेटियां बिगड़ा हुआ काम बना लेती हैं।

प्रश्न 10).'बड़े घर की बेटी' कहानी के लेखक कौन हैं?
उत्तर:'बड़े घर की बेटी कहानी के लेखक उपन्यास सम्राट प्रेमचन्द हैं।

॥. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

प्रश्न 1).बेनीमाधव सिंह के परिवार का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
उत्तरः
प्रस्तुत कहानी 'बड़े घर की बेटी जिसके लेखक प्रेमचंद हैं।
बेनीमाधव सिंह गौरीपुर गाँव का जमींदार था।उसके पिता किसी समय बड़े धन धान्य सम्पन्न थे। गाँव में भव्य मंदिर एवं पक्का तालाब बनवाया था जिसकी अब मरम्मत भी मुश्किल थी, कहा जाता है कि कभी उनके दरवाजे पर हाथी झूमता था, आज वहाँ बूढ़ी भैंस थी। उनकी वर्तमान आय एक हजार रुपये वार्षिक से अधिक न थी, आधी से अधिक संपत्ति वकीलों को भेंट कर चुके थे इनके दो पुत्र थे बड़े बेटे का नाम श्रीकांत, छोटे बेटे का नाम लाल बिहारी सिंह था। श्रीकांत अध्ययनशील और मेहनती लड़का था। साथ उसने बी.ए. की डिग्री प्राप्त कर, शहर में नौकरी में लग गया था, साथ ही उसे आयुर्वेद औषधियों में अत्यधिक रूचि भी थी। वह भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता से प्रेरित था जिसके कारण उसका गाँव में बड़ा सम्मान था। लालबिहारी सिंह दोहरे बदन का नौजवान था जो अपने बड़े भाई की तुलना में अधिक रौबीला एवं स्वस्थ था। वह खूब खाता पीता और मस्ती में व्यस्त रहता था। बड़े बेटे की शादी आनंदी से हुई जो एक सुशील, सम्पन्न परिवार की लड़की थी। छोटे बेटे का विवाह एक साधारण जमींदार की लड़की के साथ हुआ।

प्रश्न 2).आनंदी ने अपने ससुराल में क्या रंग-ढंग देखा?

उत्तर:
आनंदी एक बड़े घर की बेटी थी। वह अपने घर में सभी सुख-सुविधाओं में पली थी। वे सारी सुख सुविधाएँ यहाँ ससुराल में नहीं थीं। यहाँ न तो बाग बगीचे थे, न मकान में खिड़की और जमीन पर फर्श। फिर भी आनंदी ने कुछ ही दिनों में अपने आपको इस घर के अनुकूल बना लिया।

प्रश्न 3).लालबिहारी आनंदी पर क्यों बिगड़ पड़ा?
उत्तर:
एक दिन लाल बिहारी सिंह ने माँस पकाने के लिए कहा। आनंदी ने माँस पकाते समय हिंदी में जो घी था, वह सब डाल दिया। जब लाल बिहारी ने दाल में घी डालने के लिए कहा, तो आनंदी ने कहा कि माँस पकाने में घी खत्म हो गया। इसी कारण लालबिहारी आनंदी पर बिगड़ गया।

प्रश्न 4.आनंदी बिगड़ता हुआ काम कैसे बना लेती है?
उत्तर:
श्रीकंठ सिंह के छोटे भाई लाल बिहारी सिंह के अभद्र व्यवहार से आनंदी क्रोधित हो जाती है। गुस्से में उसने अपने पति से सारी शिकायत कीं। झगड़ा इतना बढ़ गया कि घर टूटने तक पहुँच गया। तब बिखरते हुए घर को देखकर आनंदी शांत हो जाती है और लाल बिहारी को घर छोड़कर जाने से रुक लेती है। इस प्रकार आनंदी बिगड़ते काम को बना लेती है।

प्रश्न 5).आनंदी का चरित्र-चित्रण कीजिए।
उत्तरः
आनंदी एक बड़े घर की रूपवान, गुणवान तथा आदर्शवादी महिला है। यद्यपि वह अपने मायके में सुख-सुविधाओं में पली है, फिर भी वह परिस्थितियों के अनुकूल अपने आपको बदल सकती है। वह अपने घर की एकता बनाये रखना चाहती है और बिखरते घर को बचा लेती है। यही आपका बड़प्पन है कि बिगड़ते काम को बना लेती है।

III. निम्नलिखित वाक्य किसने किससे कहे?

प्रश्न 1). जल्दी से पका दो, मुझे भूख लगी है।
उत्तरः यह वाक्य लाल बिहारी ने आनंदी से कहा।

प्रश्न 2)."जिसके गुमान पर भूली हुई हो, उसे भी देखूगा, और तुम्हें भी।"
उत्तरःयह वाक्य लाल बिहारी ने आनंदी से कहा।

प्रश्न 3).बेटा, बुद्धिमान लोग मूरों की बात पर ध्यान नहीं देते।
उत्तर:यह वाक्य बेनीमाधव ने श्रीसंत से कहा।

प्रश्न 4).लालबिहारी को मैं अब अपना भाई नहीं समझता।
उत्तरः यह वाक्य श्रीकांत ने अपने पिता बेनी माधव सिंह से कहा।

प्रश्न 5).अब मेरा मुँह नहीं देखना चाहते, इसलिए अब मैं जाता हूँ।
उत्तरः यह वाक्य लाल बिहारी ने आनंदी से कहा।

प्रश्न 6).भैया, अब कभी मत कहना कि तुम्हारा मुँह न देगा।

उत्तरःयह वाक्य लाल बिहारी ने श्रीसंत से कहा।

IV. ससंदर्भ स्पष्टीकरण कीजिए:

प्रश्न 1).अभी परसों घी आया है, इतनी जल्दी उठ गया?

उत्तरः

प्रसंग : प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक 'साहित्य वैभव' की कहानी 'बड़े घर की बेटी' से लिया गया है। इसके लेखक मुंशी प्रेमचंद हैं।

संदर्भ : इस वाक्य को देवर लाल बिहारी अपनी भाभी आनंदी से कहता है।

स्पष्टीकरण : जब लालबिहारी आनंदी से माँस पकाने को कहता है तो आनंदी थोड़ा ही घी होने के कारण सारा घी माँस में डाल देती है। जब
लालबिहारी आनंदी से पूछता है कि दाल में घी क्यों नहीं डाला, तो आनन्दी कहती है कि सारा घी खत्म हो गया। गुस्से में लाल बिहारी आकर कहता है कि अभि परसों ही घी खरीदकर लाया था इतनी जल्दी खत्म हो गया?

प्रश्न 2)."स्त्री गालियाँ सह लेती है, मार भी सह लेती है, पर मैके की निंदा उससे नहीं सही जाती।"

उत्तर:

प्रसंग : प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक 'साहित्य वैभव' की कहानी 'बड़े घर की बेटी' से लिया गया है। इसके लेखक मुंशी प्रेमचंद हैं।

संदर्भ : इस वाक्य में लेखक प्रेमचंद आनंदी के बारे
में टिप्पणी करते हुए पाठकों को उसके चरित्र का परिचय करा रहे हैं।

स्पष्टीकरण : दाल में घी न डालने से तथा घी खत्म हो जाने से लाल बिहारी ने गुस्से में भला-बुरा कहा और मायकेवालों के बारे में खरी-खोटी बातें सुनायी। इसी से आनंदी को गुस्सा आ गया। क्योंकि स्त्रियाँ सब कुछ सह सकती है, मार भी खा सकती हैं, पर मायके की निंदा नहीं सह सकती।

प्रश्न 3)."पर तुमने आजकल घर में यह क्या उपद्रव मचा रखा है।"

उत्तरः

प्रसंग : प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक 'साहित्य वैभव' की कहानी 'बड़े घर की बेटी' से लिया गया है। इसके लेखक मुंशी प्रेमचंद हैं।

संदर्भ : इस वाक्य को श्रीकंठ अपनी पत्नी आनंदी से कहता है।

स्पष्टीकरण : श्रीकांत जब शनिवार को घर पहुंचे तो लाल बिहारी ने आनंदी के बारे में सबकुछ बता दिया था। आनंदी के बारे में शिकायतें सुनकर जब श्रीकांत आनंदी के पास जाता है, तो पूछता है - आजकल यह सब क्या हो रहा है? तुमने क्या उपद्रव मचा रखा है?

प्रश्न 4)."उससे जो कुछ भूल हुई, उसे तुम बड़े होकर क्षमा करो"

उत्तरः

प्रसंग : प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक 'साहित्य वैभव' की कहानी 'बड़े घर की बेटी' से लिया गया है। इसके लेखक मुंशी प्रेमचंद हैं।

संदर्भ : इस वाक्य को पिता बेनीमाधव सिंह अपने बड़े पुत्र श्रीकंठ से कहते है।

स्पष्टीकरण : लाल बिहारी के हाथों अपने स्त्री का अपमान होते देख श्रीकंठ आपे से बाहर हो जाता है। वह अपने पिता बेनीमाधव के सामने अपने क्रोध को प्रकट करता है। बेनीमाधव सिंह अनुभव आदमी थे। वे इन भावों को ताड़कर अपने बेटे को शांत करने के उद्देश्य से बोलते है कि श्रीसंत को अपने छोटे भाई को क्षमा करके अपने बड़प्पन का परिचय देना चाहिए।

प्रश्न 5)."बड़े घर की बेटियां ऐसी ही होती हैं। बिगड़ता हुआ काम बना लेती हैं।"

उत्तरः

प्रसंग : प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक 'साहित्य वैभव' की कहानी 'बड़े घर की बेटी से लिया गया है। इसके लेखक मुंशी प्रेमचंद हैं।

संदर्भ : पिता बेनीमाधव सिंह ने अपने पुत्रों के समक्ष यह वाक्य अपनी बहू की प्रशंसा करते हुए कहते हैं।

स्पष्टीकरण : श्रीकंठ और लाल बिहारी के बीच वाद-विवाद होने से तथा उनकी आपसी नाराजगी के कारण भाइयों में प्रेम टूटने तथा घर बिखरने की नौबत आ गई। इससे आनंदी अपने गुस्से को छोड़कर, लालबिहारी को रोक लेती है। सब कुछ ठीक हो जाता है। बड़े घर की बेटियां. ऐसे ही बिगड़ा काम बना लेती हैं।